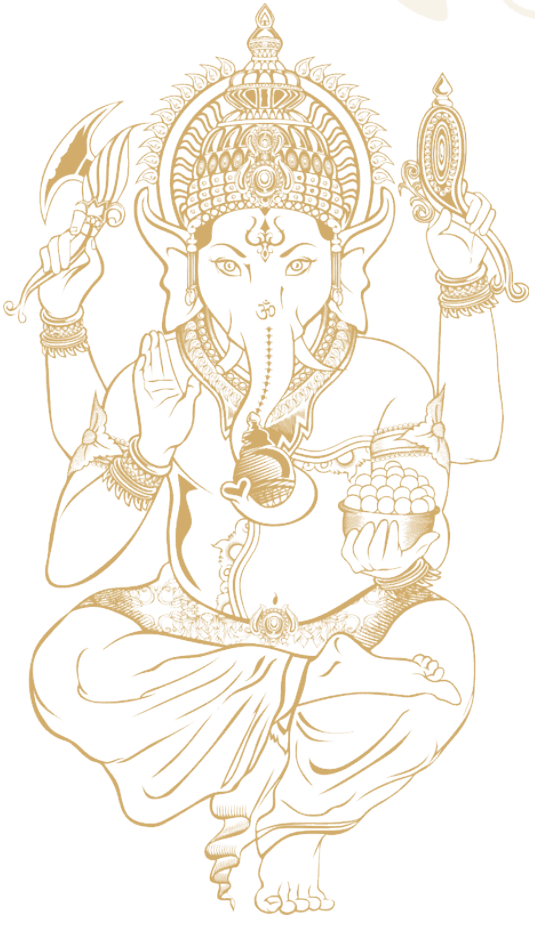

Mr.kunal narang

Akanksha mago

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121332202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/02/1985	जन्म तिथि	6-07/10/1986
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 17:58:00	जन्म समय	01:41:00 घंटे
घटी 27:23:05	जन्म समय(घटी)	48:30:53 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:46	सूर्योदय	06:16:38
18:09:29	सूर्यास्त	18:01:45
23:38:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:40:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 4मा 16दि	00:17:15	सिंह	लग्न	कर्क	18:41:42	गुरु 4वर्ष 0मा 16दि
चन्द्र	02:07:09	कुंभ	सूर्य	कन्या	19:36:19	बुध
02/07/2018	29:42:14	वृश्चि	चंद्र	तुला	29:57:41	23/10/2009
02/07/2028	15:12:06	मीन	मंगल	मक	05:08:20	23/10/2026
चन्द्र 03/05/2019	28:21:33	मक	बुध	तुला	10:20:15	बुध 21/03/2012
मंगल 02/12/2019	08:08:28	मक	गुरु व	कुंभ	21:01:48	केतु 18/03/2013
राहु 02/06/2021	16:40:07	मीन	शुक्र	तुला	25:16:21	शुक्र 17/01/2016
गुरु 02/10/2022	04:06:17	वृश्चि	शनि	वृश्चि	12:11:46	सूर्य 22/11/2016
शनि 02/05/2024	29:07:26	मेष व	राहु	मीन	27:12:18	चन्द्र 24/04/2018
बुध 02/10/2025	29:07:26	तुला व	केतु	कन्या	27:12:18	मंगल 21/04/2019
केतु 03/05/2026	23:45:32	वृश्चि	हर्ष	वृश्चि	25:21:39	राहु 07/11/2021
शुक्र 01/01/2028	09:18:20	धनु	नेप	धनु	09:30:06	गुरु 13/02/2024
सूर्य 02/07/2028	11:04:52	तुला व	प्लूटो	तुला	12:39:52	शनि 23/10/2026

लग्न-चलित

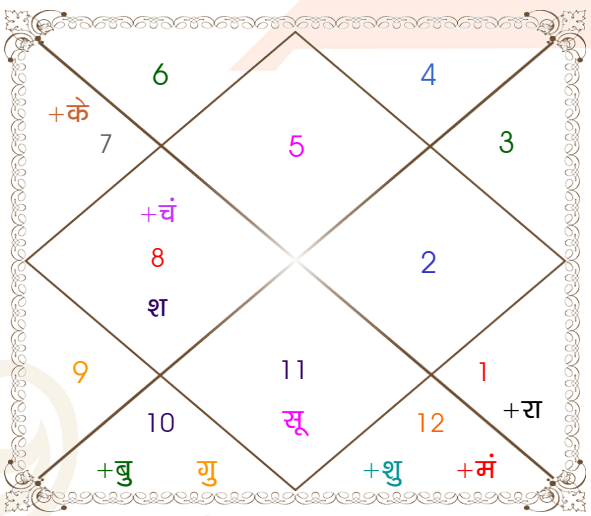

लग्न-चलित

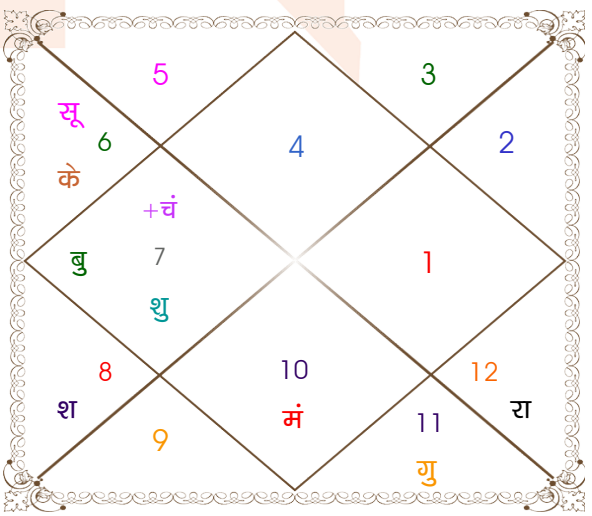

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतणनदंस दंतंदह का वर्ग मृग है तथा ।ंदोीं उंहव का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणनदंस दंतंदह और ।ंदोीं उंहव का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणनदंस दंतंदह मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतणनदंस दंतंदह कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।ंदोीं उंहव मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।ंदोीं उंहव कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ाांदौं उंहव कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतणनदंस दंतंदह तथा ाांदौं उंहव में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।